IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
Volume 2, Issue 1, August 2022
Impact Factor: 6.252

''पन्ना राष्ट्रीय उद्यान : एक वाणिज्यिक विश्लेषण''

प्रभा परमार* डॉ. विद्युत प्रकाश मिश्रा**
*शोधार्थी (वाणिज्य), शासकीय ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय, रीवा (म.प्र.)
**प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष (वाणिज्य), राजभानु सिंह स्मारक महाविद्यालय, मनिकवार, जिला रीवा (म.प्र.)

सारांश – मध्यप्रदेश की अर्थव्यवस्था में उद्यानों का महत्वपूर्ण स्थान है, पन्ना नेशनल उद्यान भारतवर्ष का 22वाँ प्रमुख उद्यान होने के साथ ही मध्यप्रदेश का 5वाँ मुख्य उद्यान/पर्यटन स्थल है, जो मध्यप्रदेश के विन्ध्य श्रृंखला में स्थित है। यह मध्यप्रदेश के उत्तर में पन्ना व छतरपुर जिला में विस्तारित है, इस उद्यान को वर्ष 1981 में बनाया गया, जिसे भारत सरकार द्वारा वर्ष 1994 में एक परियोजना के रूप में टाइगर रिजर्व के रूप में घोषित कर दिया गया, यह राष्ट्रीय उद्यान वर्ष 1975 में निर्मित किये गये पूर्व गंगऊ वन्यजीव अभयारण्य के क्षेत्र में सम्मिलित रहा है। आधुनिक समय में इसमें उत्तर एवं दक्षिणी भू–भाग के वन सम्मिलित हैं। पन्ना वन प्रभाग के समीप में स्थित छतरपुर वन क्षेत्र के एक प्रमुख हिस्से को भी इसमें कुछ समय पश्चात् सम्मिलित कर लिया गया था।

संदर्भ ग्रंथ सूची–

[1]. निर्मल, रमेश – मध्यप्रदेश एक टूरिस्ट नजर, महिश्मति प्रकाशन, उज्जैन, 1983
[2]. त्रिवेदी एवं त्रिवेदी – शोध प्रविधि, साहित्य भवन पब्लिकेशन, आगरा, 1999
[3]. चौपड़ा, सुधीता – भारत के पर्यटन एवं विकास, आशीष पब्लिशिंग, नई दिल्ली, 1991
[4]. शर्मा, के.के. – भारत में पर्यटन, क्लासिक पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 1991
[5]. संकेतक दर्शिका, पन्ना टाईगर रिजर्व, पन्ना, मध्यप्रदेश, 2010
[6]. पन्ना टाईगर रिजर्व फोल्डर, पन्ना, मध्यप्रदेश, 2004